हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 144 | देहरादून, बुधवार, 29 नवंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

मुख्यमंत्री ने कहा जल्द बनेगा भगवान बौखनाग का भव्य मंदिर 3

धामी है, भरोसा है, मोदी है

अब जिंदा है, सब जिंदा है

अकल्पनीय, अतुलनीय प्रयास

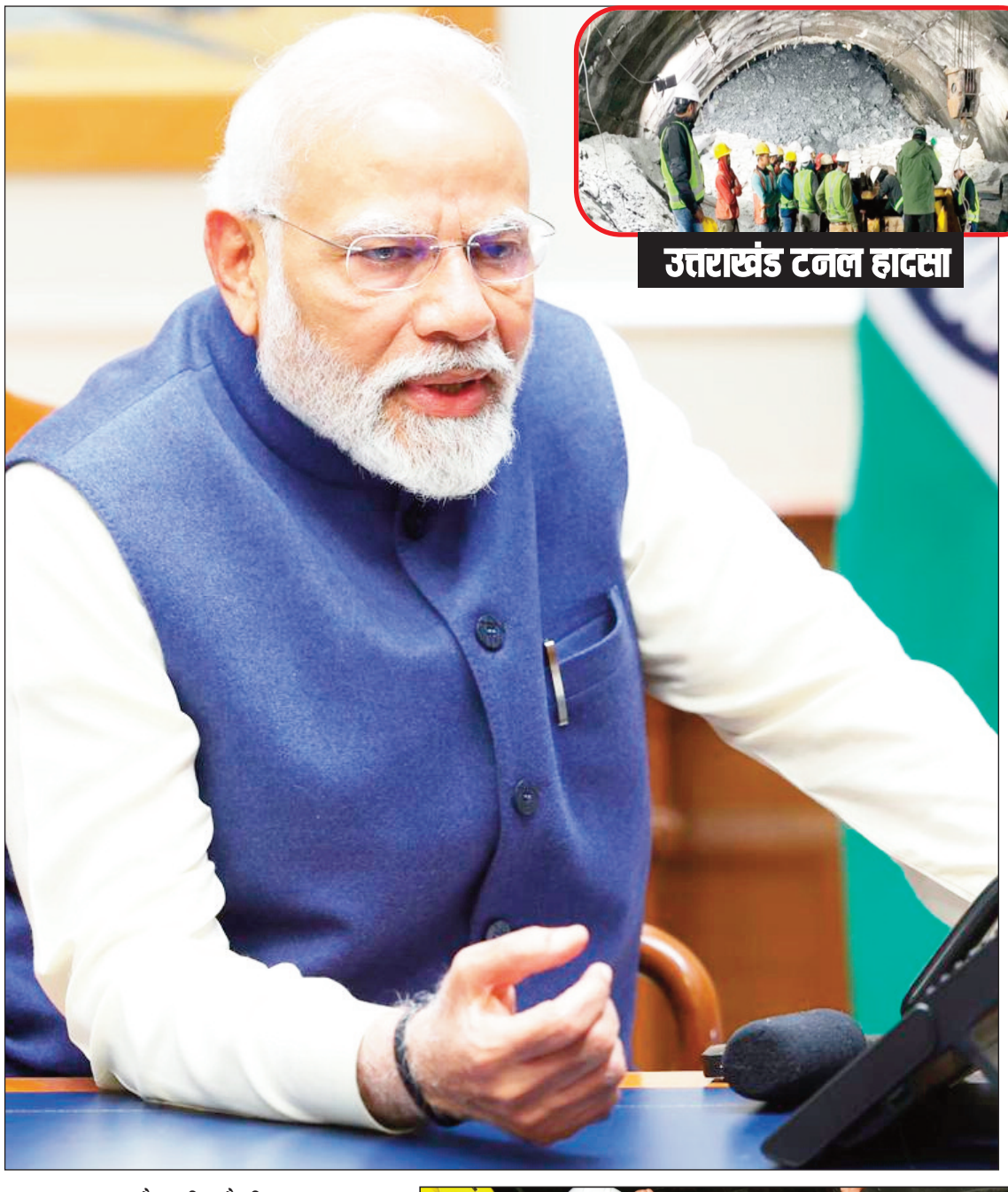

उत्तराखंड टनल हादसा

- प्रधानमंत्री मोदी ने फोन कर दी मुख्यमंत्री धामी को बधाई
- प्रधानमंत्री ने श्रमिकों को सुरंग से बाहर निकाले जाने के बाद की गई व्यवस्थाओं की ली जानकारी
- मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ रेस्क्यू अभियान

मौ सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,29 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिलकयारा में 41 के 41 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकाले जाने पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को फोन कर अपनी शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान श्रमिकों के बारे में मुख्यमंत्री से जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री से जाना कि सुरंग से निकालने के बाद श्रमिकों के स्वास्थ्य देखभाल, घर छोड़ने व परिजनों आदि के लिए क्या व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि सभी श्रमिकों को सुरंग से निकलने के बाद सीधे चिन्यालीसौड़ स्थित अस्पताल ले जाया गया है जहां उनकी जरूरी स्वास्थ्य जांच आदि की जाएंगी। साथ ही अवगत कराया कि श्रमिकों के परिजनों को भी फिलहाल चिन्यालीसौड़ ले जाया गया जहां से उनकी सुविधा के अनुसार राज्य सरकार उनको घर छोड़ने की पूरी व्यवस्था करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन के चलते ही यह रेस्क्यू अभियान सफलतापूर्वक सफल हो सका है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तमाम एजेंसियों व राज्य सरकार के समन्वय से हम 41 श्रमिकों को सकुशल सुरक्षित निकालने में कामयाब रहे हैं।

■ संबंधित सामग्री पेज-2 और पेज 3 पर

मुख्यमंत्री ने बचाव दल की पूरी टीम को दी बधाई

कहा, श्रमिकों और उनके परिजनों के चेहरे की खुशी ही मेरी ईगास-बगवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- **मुख्यमंत्री बोले-बचाव दल की तत्परता, टेक्नोलॉजी का सहयोग, अंदर फंसे श्रमिक बंधुओं की जीवटता, प्रधानमंत्री जी द्वारा की जा रही पल-पल निगरानी और बौख नाग देवता की कृपा से सफल हुआ अभियान**
- **बौख नाग देवता का मुख्यमंत्री ने किया आभार प्रकट, बोले भरोसा था लोकदेवता अभियान को सफल जरूर बनाएंगे**

सिलक्यारा, 28 नवंबर। सिलकयारा टनल में फंसे 41 श्रमिकों के सकुशल बाहर निकलने पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अभियान में जुटे समस्त बचाव दल को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा की श्रमिकों और उनके परिजनों के चेहरों की खुशी ही मेरे लिए इगास बग्वाल है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बचाव दल की तत्परता, टेक्नोलॉजी के सहयोग, सुरंग के अंदर फंसे श्रमिक बंधुओं की जीवटता, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा की जा रही पल- पल निगरानी और बौखनाग देवता की कृपा से यह अभियान सफल हुआ। मुख्यमंत्री ने जरुरी होने पर श्रमिकों को उच्च कोटि की चिकित्सा सुविधा देने के उन्होंने आदेश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन मेरे लिए बड़ी खुशी का दिन है। जितनी प्रसन्नता श्रमिक बंधुओं और उनके परिजनों को है, उतनी ही प्रसन्नता आज मुझे भी हो रही है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान से जुड़े एक-एक सदस्य का मैं हृदय से आभार प्रकट करता हूं। जिन्होंने देवदूत बनकर इस अभियान को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि सही मायनों में हमें आज ईगास पर्व की खुशी मिली है। उन्होंने कहा कि भगवान बौख नाग देवता पर हमें विश्वास था।मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्तरीय टेक्नोलॉजी और विशेषज्ञ इस अभियान में लगे थे। प्रधानमंत्री जी ने पल-पल इस अभियान की निगरानी की। उनके मार्गदर्शन में बेहतरीन समन्वय ने असंभव को संभव में बदला। उन्होंने अभियान से जुड़े एक-एक सदस्य के प्रति भी आभार प्रकट किया।

मुख्यमंत्री ने कहा जल्द बनेगा भगवान बौखनाग का भव्य मंदिर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सिलक्यारा,28 नवंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बाबा बौखनाग और देवभूमि के देवी-देवताओं की कृपा से ऑपरेशन सफल हुआ है। कहा कि बौखनाग देवता का सिलक्यारा में भव्य मंदिर बनाया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा बौखनाग के आशीर्वाद से सभी श्रमिक सुरक्षित बाहर निकल आये हैं। कहा कि ग्रामीणों ने बाबा बौखनाग के मंदिर बनाने की मांग उठाई है। इस मांग को सरकार पूरा करेगी। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि, जल्द मंदिर निर्माण की कार्रवाई शुरू कर दी जाए।

सुरंग में फंसे श्रमिकों को एक-एक लाख की आर्थिक सहायता देगी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सिलक्यारा, 28 नवंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों सभी श्रमिकों को सरकार एक एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा अस्पताल में इलाज और घर जाने तक की पूरी व्यवस्था की जाएगी। सिलक्यारा में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सुरंग में फंसे सभी श्रमिकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में इलाज पर होने वाला खर्चा सरकार उठाएगी।इनके अलावा परिजनों और श्रमिकों के खाने, रहने की भी व्यवस्था सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों के स्वस्थ होने पर सरकार की तरफ से एक एक लाख रुपये के चेक बतौर आर्थिक सहायता के रूप में दिए जाएंगे। इसके अलावा घर जाने तक का पूरा खर्चा भी सरकार वाहन करेगी।

अस्पताल ले में पूरा इलाज, घर जाने तक की पूरी मदद भी मिलेगी

मारधाड़ वाले गेम और मूवी बच्चे का दिमाग कर सकते हैं खराब, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 नवंबर : पहले जहां बच्चों के पास खेलने के लिए बस गुड्डे गुड़िया और रेल या कार वगैरह होती थीं, वहीं अब बच्चों के खेलने के लिए कई खिलौने आ गए हैं। अब बच्चे वीडियो गेम खेलते हैं और उनके पास रोबोट या कई तरह के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं। हालांकि, पैरेंट्स को अपने बच्चे को कोई भी खिलौना थमाने से पहले ये जान लेना चाहिए कि उस पर इस टॉय का क्या असर पड़ेगा। इस आर्टिकल में हैदराबाद के केयर हॉस्पिटल की साइकेट्रिस्ट डॉक्टर मजहर अली बता रहे हैं कि बच्चों को आक्रामक यानि वायलेंट खिलौने देने से क्या असर होता है।

डॉक्टर मजहर ने बताया कि बच्चों को वायलेंट गेम, कार्टून और मूवी दिखाने को लेकर रिसर्च और चर्चा चल रही है। इस बात पर स्पष्ट तौर से कुछ कहा नहीं जा सकता है। बच्चों पर वायलेंट खिलौने के प्रभाव को जानने के लिए कई चीजों को समझने की जरूरत है। टॉडलर बच्चे जो भी देखते हैं, उसका उन पर बहुत असर पड़ता है। इस स्टेज पर उनका तेजी से कॉग्नीटिव विकास हो रहा होता है। वो सपनों की दुनिया और असलियत में फर्क करना नहीं जानते हैं।

जब बच्चे को पता नहीं होता है कि वो जो देख रहा है, वो सच है या झूठ, तब वो भी टीवी या गेम में दिखाए जा रहे वायलेंस को अपनाने लगता है और उसे इसके परिणामों तक के बारे में पता नहीं होता है। हालांकि, माता-पिता को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि बच्चे के व्यवहार को विकसित करने में उनकी अहम भूमिका होती है। बच्चों से खुलकर बात कर के और उन्हें सही चीजें और कार्टून दिखाकर, पेरेंट्स अपने बच्चों को किसी भी तरह के नेगेटिव प्रभाव से बचा सकते हैं।

डॉक्टर मजहर कहते हैं कि एक्सपर्ट्स भी यही राय देते हैं कि टॉडलर बच्चों को वायलेंट कंटेंट कम दिखना चाहिए और उन्हें इसके बजाय उनकी उम्र के हिसाब से, एजुकेशनल और नॉन वायलेंस मीडिया वाली चीजें देखनी चाहिए। इसके अलावा बच्चों को ऐसी चीजें दिखाई जो उनके कॉग्नीटिव और इमोशनल डेवलपमेंट में मदद करे।

इस मामले में पेरेंट्स इस बात का भी ध्यान रखें कि हर बच्चा अलग होता है। बच्चे का गुस्सा, परवरिश और मां-बाप का मार्गदर्शन भी इस बात को प्रभावित करता है कि बच्चे पर मीडिया का क्या असर पड़ रहा है। इसलिए हो सकता है कि जो चीज एक

बच्चे को किसी तरह से प्रभावित कर रही है, वो दूसरे बच्चे पर कैसे असर ना करे। इन चीजों से बच्चे को बचाने के लिए पेरेंट्स को बच्चों के लिए ऐसा माहौल बनाना चाहिए जहां वो सुरक्षित महसूस करे और अपने मन की बात अपने पेरेंट्स से शेयर कर सके। बच्चों के सामने हेल्दी मीडिया से जुड़ी चीजें पेश करें, जो उनके कॉग्नीटिव विकास में मदद करें

उत्तराखंड में 29 नवंबर को लगेगा रोजगार मेला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रामनगर 29 नवंबर : नैनीताल जिले के युवाओं के लिए अच्छी खबर है। यहां नगर सेवायोजन कार्यालय रामनगर में रोजगार मेले का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें बेरोजगार युवाओं को सीधे इंटरव्यू के जरिए नौकरी मिलेगी।

रोजगार मेले का आयोजन 29 नवंबर को होगा। इस रोजगार मेले में 8 कंपनियां युवाओं का चयन करेंगी। नगर सेवायोजन अधिकारी शरद बोरा ने बताया कि रामनगर में सेवायोजन कार्यालय नवीन कृषि समिति में रोजगार मेला लगेगा। इसमें 8 कंपनियां हिस्सा लेंगी। जो भी युवा हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक या आईटीआई कर चुके हैं, उन्हें रोजगार मेले में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। रोजगार मेले के जरिए सुरक्षा गार्ड, एलआईसी एडवाइजर, सेल्स

एंड मार्केटिंग, कुक, वेटर और फील्ड स्टाफ के पदों के लिए युवाओं की भर्ती की जाएगी। जो भी युवा रोजगार मेले में हिस्सा लेना चाहते हैं, वह तय डेट पर शैक्षिक प्रमाणपत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र और 4 पासपोर्ट साइज फोटो के साथ ही बायोडाटा लेकर मेले में पहुंचे। बेरोजगार युवाओं के लिए यह जॉब पाने का सुनहरा मौका है, इस मौके को हाथ से जाने न दें।

उत्तराखंड के 5 जिलों में अगले 3 दिन बारिश बर्फबारी की चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 29 नवंबर : उत्तराखंड में मौसम ने फिर करवट बदली है। जैसा की मौसम विभाग ने अनुमान जताया था, वैसा ही हो रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश का दौर शुरू हो गया है, कई जगह कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग ने आज से पर्वतीय जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट किया जारी किया है। मौसम के लिहाज से अगले तीन दिन मुश्किल भरे रहने वाले हैं। इस दौरान पहाड़ी जिलों के लोगों को विशेष तौर पर सावधान रहना होगा। यहां अगले तीन दिन बारिश हो सकती है।

ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी से मुश्किलें बढ़ेंगी। मैदानी इलाकों में भी राहत नहीं मिलेगी। यहां ठंड बढ़ने और घना कोहरा छाने का अनुमान है। आज जिन जिलों में बारिश के साथ ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है, उनमें

उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चमोली जैसे जिले शामिल हैं। यहां अगले तीन दिन बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है। 3500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो सकती है। हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में घना कोहरा छाया रह सकता है। पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ ही कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो जाएगा। बदलता मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां लेकर आता है। ऐसे में स्वास्थ्य को लेकर खासतौर पर सावधान रहें।

संक्षिप्त खबरें

आंदोलन के लिए एकजुट हों मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी

देहरादून। उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन 21 सूत्रीय मांगों को लेकर आरटीओ कार्यालय परिसर में गेट मिटिंग की। इसमें कर्मचारियों से आंदोलन के लिए एकजुट होने की अपील की गई। सात दिसंबर को जिला स्तर पर होने वाले धरना प्रदर्शन को सफल बनाने को कहा गया। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन भी किया। प्रांतीय अध्यक्ष पूर्णानंद नौटियाल ने कहा कि कर्मचारियों की 21 सूत्रीय मांगों को लेकर शासन स्तर पर कई दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन अभी तक साकारात्मक कार्यवाही नहीं हुई है। वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष देवलियाल ने कहा कि कर्मचारी अब आर-पार की लड़ाई लडने के लिए तैयार हैं। इसके लिए सभी को एकजुट होने की जरूरत है। परिवहन विभाग मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष बृजमोहन रावत ने कहा कि सात दिसंबर को होने वाले धरना-प्रदर्शन को पूरी तरह सफल बनाया जाएगा। इस मौके पर प्रांतीय महामंत्री मुकेश बहुगुणा, जिलाध्यक्ष मुकेश ध्यानी, विनोद चमोली, संजय भाष्कर, ललित मोहन रावत, हिमांशु, जमुना प्रसाद भट्ट, रविन्द्र राणा, सुमित नेगी आदि मौजूद रहे।

देहरादून में 200 हवन कुंडीय महायज्ञ किया

देहरादून। महर्षि दयानंद सरस्वती के 200वें जन्मोत्सव पर एमकेपी इंटर कॉलेज में 200 हवन कुंडीय महायज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें वेदों की ओर लौटो का नारा दिया। स्त्री आर्य समाज महानगर की ओर से मंगलवार को स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का वैदिक मंत्रोच्चारण से शुभारंभ किया गया। वक्ताओं ने कहा कि भारत को श्रेष्ठ बनाने के लिए महर्षि दयानंद ने अपने जीवन का बलिदान दिया। उन्होंने स्त्री शिक्षा एवं उत्थान के लिए विशेष कार्य किया। पंडित वेद बसु शास्त्री और आर्य कन्या गुरुकुल की ब्रह्मचारिणियों ने वैदिक मंत्रों के साथ 200 हवन कुंडीय महायज्ञ कराया। इसमें स्कूल की छात्राओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। इस दौरान जम्मू कश्मीर में हुए शहीदों को आहुति देकर श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही सिलक्यारा टनल हादसे में फंसे मजदूरों की सकुशल रेसक्यू की भी प्रार्थना यज्ञ में की गई। इस मौके पर कॉलेज के सचिव जितेंद्र सिंह नेगी, स्नेह आर्या, पुष्पा आर्या, संगीता आर्या, गीता आर्या आदि मौजूद थे।

महारैली कर सचिवालय घेरेंगे मेट और बेलदार

देहरादून। आउटसोर्सिंग मेट एवं बेलदार कर्मचारी संघ से जुड़े कर्मचारियों का आक्रोश बढने लगा है। कर्मचारियों ने 14 दिसंबर तक मांगों का निराकरण नहीं होने पर 15 दिसंबर को देहरादून में महारैली कर सचिवालय का घेराव करने की चेतावनी दी है। राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को भेजे ज्ञापन में बताया कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत मेट और बेलदारों को सरकारी एजेंसी के माध्यम से सेवायोजित करने, ईपीएफ, ईएसआई का लाभ देने, अवशेष मजूदरी का भुगतान करने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो पाई, जिस कारण कर्मचारियों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। प्रदेश महामंत्री तेजपाल सिंह ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो 15 दिसंबर को देहरादून परेड ग्राउंड में महारैली होगी, जिसमें प्रदेशभर से मेट और बेलदार शामिल होंगे। इस दौरान सचिवालय का घेराव किया जाएगा।

सूरत बंगारी बने वन निगम कर्मचारी संगठन के क्षेत्रीय अध्यक्ष

देहरादून। उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संगठन टिहरी क्षेत्र के चुनाव मंगलवार को निगम मुख्यालय डालनवाला में हुए। जिसमें सूरत बंगारी क्षेत्रीय अध्यक्ष चुना गया। जबकि देवीराम सेमवाल को क्षेत्रीय मंत्री चुना गया। मुख्य चुनाव अधिकारी सुनील पुंडीर व सहायक चुनाव अधिकारी प्रेम सिंह चौहान ने बताया कि चुनाव में सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। जिसमें सुंदरराम वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रथम, राम प्रकाश राघव वरिष्ठ उपाध्यक्ष द्वितीय, पदमदास उपाध्यक्ष, श्रुति ममगाई कोषाध्यक्ष, राम सिंह नेगी को संयुक्त मंत्री, ओम प्रकाश को संगठन मंत्री और रतन सिंह चौहान को प्रचार मंत्री चुना गया। नव नियुक्त अध्यक्ष बंगारी ने कहा कि कर्मचारियों की समस्या को प्रबंधन के सामने रखना और उनको हल करवाना प्राथमिकता होगी। इसके अलावा संगठन को मजबूत करने के लिए भी काम किया जाएगा।

उत्तराखंड : KBC में 25 लाख की लॉटरी के लालच में लुट गए 28 लाख रुपये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 29 नवंबर : उत्तराखंड में केबीसी के नाम पर ठगी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पिथौरागढ़ में एक शख्स से केबीसी प्रतियोगिता के नाम पर 28 लाख रुपये ठग लिए गए। इस मामले में दून पुलिस ने एक आरोपी को ऋषिकेश से गिरफ्तार किया है। जबकि दो आरोपियों को पुलिस पहले ही पकड़ चुकी है। पकड़ा गया आरोपी ओडिशा का रहने वाला है। साइबर ठगी का पूरा गैंग ओडिशा से ऑपरेट किया जा रहा था।

एसपी पिथौरागढ़ लोकेश्वर सिंह ने वारदात का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता राजेंद्र सिंह कार्की निवासी बनकोट गणाई गंगोली, बेरीनाग ने 4 जनवरी 2023 को बेरीनाग थाने में तहरीर दी थी। जिसमें उन्होंने बताया कि किसी अज्ञात शख्स ने उन्हें केबीसी में 25 लाख रुपये की लॉटरी लगने के बात कहकर अलग-अलग तरीके से उससे 28 लाख रुपये की ठगी कर ली। शिकायत मिलने पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई।

कई महीनों की मेहनत के बाद पुलिस टीम मुख्य आरोपी 26 वर्षीय अल्ताफ अली वारसी पुत्र असगर अली वारसी निवासी चतुरसिला खुन्ता मयूरभंज केंद्रपाड़ा, ओडिशा तक पहुंची और उसे ऋषिकेश से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से बचने के लिए आरोपी काफी दिनों से इधर-उधर भाग रहा था।

सर्विलांस के आधार पर पुलिस उस तक पहुंचने में कामयाब रही और मौका मिलते ही आरोपी को धर दबोचा। इस पूरे मामले में दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि मुख्य आरोपी फरार चल रहा था, जिसको ऋषिकेश से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में पता चला कि पूरा गैंग ओडिशा से संचालित होता है। पुलिस ने जिन आरोपियों को पहले पकड़ा था, वो भी ओडिशा के रहने वाले हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस मुख्य आरोपी को ऋषिकेश से पिथौरागढ़ लाई। जहां कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेजा जाएगा।

कोटद्वार : अग्निवीर बनने को दिखा उत्साह दूसरे दिन 1030 युवाओं ने दिखाया दमखम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 29 नवंबर : कोटद्वार में सेना के कौड़िया स्थित विक्टोरिया क्रॉस गबर सिंह कैंप में चल रही गढ़वाल के सात जिलों की अग्निवीर भर्ती रैली के दूसरे दिन पंजीकृत 1319 युवाओं में से 1030 युवाओं ने दमखम दिखाया। दौड़ में सफल युवाओं को अगले चरण की जांच के लिए आगे बढ़ा दिया गया। देर शाम तक इन युवाओं की फिजिकल और शैक्षिक प्रमाणपत्रों की जांच की गई।

बीते दिन भर्ती रैली के दूसरे दिन चमोली, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग, टिहरी और उत्तरकाशी के युवा शामिल हुए। भर्ती के लिए काशीरामपुर तल्ला में बनाए गए प्रवेश द्वार पर रात तीन बजे से युवाओं की लाइन लगनी शुरू हो गई थी। सबसे पहले युवाओं के प्रवेश पत्र, आधार कार्ड की जांच की गई। इसके बाद प्रारंभिक ऊंचाई की जांच हुई। ऊंचाई में सही पाए जाने वाले युवा गबर सिंह कैंप के बलवीर सिंह स्टेडियम में 1600 मीटर दौड़ के लिए पहुंचे।

रक्षा मंत्रालय के उत्तराखंड के जनसंपर्क अधिकारी ले. कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि दूसरे दिन अग्निवीर जीडी की भर्ती आयोजित हुई, जिसमें चमोली जनपद के 280, हरिद्वार के 177, रुद्रप्रयाग के 199, टिहरी गढ़वाल के 232, उत्तरकाशी के 142 युवा कुल 1030 युवा शामिल हुए।

2 बड़े कारण की वजह से 100 करोड़ लोगों को हो जाएगी डायबिटीज : रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जुलाई : वैज्ञानिकों का दावा है कि जिस रफ्तार से डायबिटीज की बीमारी फैल रही है, उसे देखते हुए अंदाजा लगाया जा सकता है कि साल 2050 तक दुनियाभर में 1 बिलियन (100 करोड़) शुगर के मरीज हो जाएंगे। वैज्ञानिकों ने साल 1990 से 2021 के बीच 204 देशों में 27,000 से अधिक डेटा का अध्ययन करने के बाद यह दावा किया है। भारत में डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़े हैं। देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 101 मिलियन से अधिक हो गई है। साल 2019 में यह संख्या 70 मिलियन थी यानी तीन साल में 30 मिलियन से ज्यादा लोग शुगर के मरीज बन गए हैं।

डायबिटीज का कोई इलाज नहीं है इसे सिर्फ कंट्रोल करके ही स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। चलिए जानते हैं कि डायबिटीज की रफ्तार क्यों बढ़ रही है और आप बचने के लिए क्या उपाय कर सकते हैं। अध्ययन में पाया गया है कि टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज में सबसे ज्यादा मामले टाइप 2 डायबिटीज के होंगे। टाइप 1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून बीमारी है जहां शरीर इंसुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता है और यह ज्यादातर बच्चों में देखा जाता है। जबकि टाइप 2 डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है जहां धीरे-धीरे इंसुलिन रेजिस्टेंस होता है और यह आमतौर पर वयस्कों में देखा जाता है और इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

डायबिटीज एक साइलेंट किलर बीमारी है, जो धीरे-धीरे शरीर को नष्ट करती है। इससे कई जटिलताएं जुड़ी हैं। शुगर के मरीजों को इस्केमिक हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, कम दिखना, पैर में अल्सर होने का खतरा अधिक होता है। वैज्ञानिकों ने डायबिटीज के बढ़ने के दो प्रमुख कारण बताए हैं जिनमें उम्र और मोटापा है। शोधकर्ताओं का मानना है कि सुस्त जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से लोगों का बीएमआई (मोटापा) बढ़ रहा है। मोटापा बढ़ने के कारण-

हाई कैलोरी फूड्स का अधिक सेव, हेल्दी फूड्स के लिए पैसों की कमी ,अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स का अधिक सेवन ,फैट और शुगर का ज्यादा सेवनएनिमल प्रोडक्ट का अधिक इस्तेमाल , किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी में शामिल नहीं होना ,मोटापा कम करें ,फाइबर का सेवन बढ़ाएं और साबुत अनाज वाले खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करें ,काम के दौरान लंबे समय तक बैठे रहने के बजाय छोटे ब्रेक लें,रोजाना चलने की कोशिश करें ,रोजाना कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज करें ,ज्यादा प्यास लगना ,हमेशा थकान रहना ,बेवजह वजन कम होना ,कम या धुंधला दिखना ,बार-बार पेशाब आना।

कैदियों की रिहाई होगी तुरंत, सुप्रीम कोर्ट ने लॉन्च किया FASTER 2.0 पोर्टल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 नवंबर , कैदियों की रिहाई में लगने वाले समय की अब काफी बचत होगी। यह बचत चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा FASTER 2.0 पोर्टल लॉन्च करने से संभव हुई है। इस पोर्टल का लाभ यह होगा कि कैदियों की रिहाई संबंधी अदालती आदेश की जानकारी जेल अथॉरिटी, ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट तक तुरंत पहुंच जाएगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि 'मैं आश्वस्त करता हूं कि जेल में बंद कैदियों के पहलू पर गौर किया जाएगा। हम एक पोर्टल शुरू कर रहे हैं जहां किसी व्यक्ति की रिहाई के न्यायिक आदेशों को तत्काल अनुपालन के लिए जेलों, निचली अदालतों और उच्च न्यायालयों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।"

वर्तमान व्यवस्था के तहत जेल से रिहा होने में काफी वक्त लगता है। नया पोर्टल लॉन्च होने के बाद इस मामले में तेजी आएगी और कैदियों की तुरंत रिहाई मुमकिन होगी। सीजेआई ने आशा व्यक्त की कि न्यायिक बुनियादी ढांचे को और अधिक 'नागरिक-केंद्रित' बनाने के प्रयासों के कारण, सभी वर्गों, जातियों और पंथों के नागरिक अदालती प्रणाली पर अपना भरोसा जता सकते हैं और इसे "अपने अधिकारों को लागू करने के लिए एक निष्पक्ष और प्रभावी मंच" के रूप में देख सकते हैं।

कंबल से मुंह ढक कर सोते हैं तो रहें अलर्ट, हो सकती है ये गंभीर बीमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 नवंबर : ठंड भी धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। लोग सुबह-शाम ही नहीं, दिन में भी गर्म कपड़े पहन रहे हैं। कई बार लोग ठंड से बचने के लिए रात में स्वेटर, सिर में टोपी और पैरों में ऊनी मोजे लगाकर सो जाते हैं। लेकिन ऐसा करना स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक नहीं है। लंबे समय तक ऐसा करना खतरनाक हो सकता है। पटना स्थित पीएमसीएच में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ बताते हैं कि आमतौर पर सोने का ये रूल है मुंह ढंका हुआ नहीं होना चाहिए। ठंड कितनी भी क्यों न पड़े, सिर ढ़ंककर सोने से ब्रेन के काम करने की क्षमता कम हो जाती है। ब्रेन को कम ऑक्सीजन मिलती है।

इसका साइंटिफिक कारण यह है कि जब आप सिर को कंबल में ढंक लेते हैं तो कमरे में मौजूद फ्रेश ऑक्सीजन नहीं ले पाते। कंबल के अंदर जो ऑक्सीजन मौजूद होती है वही लेते हैं। सांस लेने और छोड़ने की प्रक्रिया चलती रहती है। इस दौरान कंबल के अंदर ऑक्सीजन की कमी होने लगती है। अशुद्ध हवा ही सांसों में जाने लगती है। चूंकि व्यक्ति नींद में होता है इसलिए उसे तब परेशानी नहीं होती। लेकिन वास्तव में सभी अंगों तक ब्लड सर्कुलेशन सही से नहीं हो पाता।

'कांसक्वेंसेज ऑफ गेटिंग द हेड कवर्ड ड्यूरिंग स्लीप इन इन्फैंसी' रिसर्च में बीटी स्कैडबर्ग और टी मार्क स्टैंड ने बताया है कि सिर को ढक कर सोने से चेहरे पर कार्बन डाइऑक्साइड जमा होने लगता है। इससे साइकोलॉजिकल और बिहेवियरल बदलाव देखने को मिलता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए 21 महीने और पांच महीने के शिशुओं को अलग-अलग केटेगरी में रखा। रिसर्च का मुख्य उद्देश्य सडन इंफैन्ट डेथ सिंड्रोम के बारे में पता करना था। जिन बच्चों का सिर ढंककर रखा गया था, उनके चेहरे के पास कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा बढ़ी हुई थी, 3 से 10 सेकेंड के लिए सांस लेने में परेशानी हुई। इस दौरान हार्ट रेट बढ़ा हुआ था। बच्चे तेजी से सांस ले रहे थे, शरीर का तापमान भी सामान्य से अधिक था।

सिल्ला एवं रामनगर डांडा गांव में सिंचाई की मिली अनियमितता

■ डीएम सोनिका ने दिए जांच के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 29 नवंबर। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में पिछले महीने 30 अक्टूबर को आयोजित जनसुनवाई में विकासखंड रायपुर के ग्राम सिल्ला एवं रामनगर डांडा में शिकायत मिली थी। जिसमें कृषकों द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में किसानों के द्वारा तत्समय कार्यरत कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी रायपुर के विरूद्ध वित्तीय धोखाधड़ी किये जाने की शिकायत करते हुए कार्यवाही किये जाने की मांग की गई।

जिस पर जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को समिति गठित कर जांच करने के आदेश दिए गए थे। मुख्य कृषि अधिकारी, कृषि भूमि संरक्षण अधिकार सहसपुर, अवर सहायक अभियन्ता कृषि, की समिति द्वारा शिकायतों की जांच की गई। समिति द्वारा उक्त गावों का स्थलीय निरीक्षण किया। आहरित बिल, अनुदान फार्म तथा अन्य बिलों की जांच करने पर पाया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में धरातल पर योजना के अनुरूप कार्य कराये बिना सत्यापन कृषकों के नाम पर अनुदान बिलों का आहरण पर फर्मों को सीधे भुगतान कर दिया गया। उक्त गांव का स्थलीय निरीक्षण के उपरान्त समिति द्वारा पाया गया ।कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, ग्राम सिल्ला में सिंचाई पाईप सप्रिंकलर से अथवा अन्य कोई भी सिंचाई साधन स्थापित करना नहीं पाया गया। अन्य कृषकों द्वारा भी सप्रिंकलर सेट

न मिलने की शिकायत की गई । एक महिला ने शिकायत की थी कि उनके मृत पति के नाम पर बिना उनकी जानकारी के सप्रिंकलर सैट पर अनुदान निकाल दिया गया। जांच टीम ने पाया कि जब जांच के लिए टीम जा रही थी। तब ग्राम सिल्ला में 2 वाहनों सप्रिंकलर पाईपों गांव में पंहुचाए जा रहे थे। इसी प्रकार ग्राम रामनगर डांडा में कृषकों की भूमि पर सप्रिंकलर सेट लगा होना नहीं पाया गया। जबकि कार्य का भुगतान सम्बन्धित फर्म को पूर्व में ही कर दिया गया। जांच में पाया गया कि एक महिला के आवेदन तथा उस पर हस्ताक्षर दूसरी महिला के नाम से वहीं अंग्रेजी में हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर हिन्दी में पाया गया। स मि ति ने पाया कि अनुदान के लिए प्रार्थना पत्र तथा आवेदन के साथ संलग्न शपथ पत्र पर सभी कृषकों के जो हस्ताक्षर किये गए हैं वह भिन्न हैं।

कार्यालय के बिलों के साथ संलग्न कृषकों की फोटोग्राफ वास्तविक से भिन्न है। कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी रायपुर द्वारा अधिकाशतः कुल 80 प्रतिशत अनुदान राशि (55 प्रतिशत केन्द्रपोषित एवं 25 प्रतिशत राज्य पोषित योजना से) विभिन्न फर्मों को सीधे भुगतान कर दी गई। जबकि धरातल पर योजना के अनुरूप सप्रिंकलर स्थापित करने का कार्य कराया ही नहीं गया। अनुदान कृषकों को डीबीटी किया जाना था, किन्तु कृषकों के नाम से बिल आहरण कर कुछ फर्मों को लाभान्वित किया गया। कृषकों के नाम एक ही वित्तीय वर्ष में 2 बार सप्रिंकलर सैट लगाने हेतु अनुदान पारित किया गया। वास्तविक कृषकों की जानकारी के बिना तथा बिना स्थलीय सत्यापन के कृषि एवं भूमि सरंक्षण अधिकारी रायपुर द्वारा कृषकों के नाम से बिलों पर अनुदान राशि का आहरण कर कुछ फर्मों को लाभान्वित किया गया। समिति की जांच आख्या उपरान्त जिलाधिकारी ने सचिव, कृषि एवं कृषक कल्याण उत्तराखण्ड शासन को तत्कालिन कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी रायपुर राजदेव पंवार (वर्तमान में कृषि निदेशालय से संबद्ध) के विरूद्ध विधिक व विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त खबरें

उत्तराखंड के वन गुर्जर समुदाय को एसटी की श्रेणी में रखा जाए

रुडक़ी। अंतरराष्ट्रीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिटायर कर्नल देवानंद गुर्जर ने कहा कि समाज की सामाजिक और राजनीतिक चेतना को जगाना जरूरी है। इसकी एकता और जागरूकता के लिए समय-समय पर एकत्रित होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल की तर्ज पर उत्तराखंड के वन गुर्जर समुदाय को एसटी की श्रेणी में रखे जाने का प्रस्ताव सरकार के सामने रखा जाएगा। देवानंद अंतरराष्ट्रीय गुर्जर महासभा की ओर से गुर्जर समाज के उत्थान के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चौधरी बालेश सिंह गुर्जर ने कहा कि समाज को एकत्रित करना समय की जरूरत है। शिक्षित और संगठित रहकर ही सामाजिक उत्थान संभव है। उन्होंने कहा कि समाज में बालिका शिक्षा के माध्यम से दो परिवारों का उत्थान होता है।

फैक्ट्री में अचानक तबीयत बिगडऩे से महिला की मौत

रुडक़ी। औद्योगिक क्षेत्र लखेश्वरी स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाली महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक मृतक महिला के परिजनों की ओर से थाने में किसी तरह की शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस के अनुसार, पांच वर्षों से बबीता चांद कॉलोनी मक्खनपुर में किराए के मकान में रह रही थी। सिकंदरपुर लकेश्वरी औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में 52 वर्षीय महिला कर्मचारी बबीता की अचानक से तबीयत बिगड़ गई। उसको आनंदपाल अस्पताल भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सफाई कर्मियों ने रास्ते में ही डाल दिया कूड़ा

रुडक़ी। सुल्तानपुर से निकलने वाले कचरे को सफाई कर्मियों ने इस्माइलपुर मार्ग के किनारे डाल दिया। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान विकास सैनी ने ईओ सुल्तानपुर से रास्ते से कूड़ा हटवाने की मांग की है। सुल्तानपुर कस्बे के नगर पंचायत बनने के बाद से सुल्तानपुर से निकलने वाले कूड़े को सफाई कर्मी सुल्तानपुर इस्माइलपुर मार्ग पर एक खेत में डाल रहे हैं। इस्माइलपुर ग्राम प्रधान विकास सैनी, ग्रामीण राजेंद्र, जोगिंदर, तेजपाल, पूर्व प्रधान पवन सैनी ने बताया की पहले भी कूड़े को रास्ते से दूर डालने की मांग की जा चुकी है। लेकिन, कोई समाधान नहीं निकल पाया।

पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प

रुडक़ी। गोविंद बल्लभ पंत पर्यावरण और शिक्षक कल्याण समिति ने पर्यावरण सुरक्षा, अपराध ,नैतिक विकास, अनुशासन और कानून का पालन करने को लेकर गोष्ठी की। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज में हुई गोष्ठी में सीओ पल्लवी त्यागी, प्रधानाचार्य सुबोध कुमार मलिक, कर्नल प्रदीप नैथानी, गीता नैथानी, समिति के महासचिव प्रभाकर पंत, तक्षशिला आईएएस इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर शिल्पी सिंह, सुरेश कुमार, रविंद्र चौहान, ललित मोहन जोशी, राज्य आंदोलनकारी रविंद्र मंमगाई आदि उपस्थित रहे।

रुडक़ी में साढ़े चार डिग्री गिरा तापमान

रुडक़ी। दिन में हुई बूंदाबांदी के बाद पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहने की वजह से मंगलवार को दिन का तापमान साढ़े चार डिग्री कम हो गया। तापमान में आई गिरावट से ठंड भी बढ़ गई है। बाजारों में ठंडी के कपड़ों की खरीदारी भी लोग करने लगे हैं। पिछले दो दिनों से रुडक़ी और आसपास के इलाकों में बादल छाया हुआ है। सोमवार को भी पूरे दिन सूरज दिखाई नहीं दिया। हालांकि, मंगलवार को दिन में कुछ समय के लिए बूंदाबादी भी हुई। इसके बाद ठंड और बढ़ गई। पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक लापता

रुडक़ी। करीब एक सप्ताह पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में युवक लापता हो गया। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई अता-पता नहीं लगा। राजीव पुंडीर निवासी महालक्ष्मी पुरम कॉलोनी निवासी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका बड़ा भाई सतीश 23 नवंबर को घर से दुकान पर जाने के लिए निकला था। लेकिन वह वापस नहीं आया। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई अता-पता नहीं लग पाया।

हर्षिल घाटी के बगोरी गांव में पांडव नृत्य की अनोखी मान्यता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 नवंबर , उत्तराखंड में कई ऐसे क्षेत्र हैं, जो अपनी विशेष मान्यताओं के साथ-साथ परंपराओं के लिए भी विश्व विख्यात है। ऐसी ही एक अनोखी परंपरा बगोरी गांव के ग्रामीणों की भी है। ये लोक उत्सव का आयोजन करते हैं और यहां धार्मिक अनुष्ठान पर बकरे की बलि भी देते हैं, लेकिन गजब की बात यह है कि जब बलि दी जाती है तो किसी तरह का कोई रक्त प्रवाह नहीं होता है। यह अनुष्ठान उत्तरकाशी जिले के हर्षिल घाटी के बगोरी गांव में पांडव नृत्य के दौरान किया जाता है।

उत्तराखंड में त्यागे थे पांडवों ने अस्त्र-शस्त्र

इस दौरान ग्रामीणों द्वारा सामूहिक रूप से पांडव लीला का आयोजन किया जाता है। इसमें वे पांडवों के पश्वा ढोल की थाप पर नृत्य करते हैं। इसमें मुख्य रूप से अर्जुन, युधिष्ठिर, भीम, नकुल, सहदेव, कृष्ण, द्रौपदी और हनुमान के पश्वा शामिल रहते हैं। हर वर्ष यहां लोक उत्सव के रूप में पांडव नृत्य का आयोजन किया जाता है, जिसका अपना धार्मिक महत्व है। तीन दिनों तक चलने वाली पांडव लीला के समाप्ति पर ग्रामीण पांडव पश्वाओं से आशीर्वाद लेते हैं।

पांडव लीला में प्रतीकात्मक रूप से बलि देने का चलन है। कहा जाता है कि पहले पांडव नृत्य के समाप्ति पर बकरी की बलि ईष्ट देवों को प्रसन्न करने के लिए दी जाती थी, लेकिन अब बदलते समय के साथ यह प्रचलन बंद हुआ है। करीब 25 वर्ष से अब यहां कद्दू को बकरी का स्वरूप देकर उसकी बलि दी जाती है।उत्तराखंड के अन्य कई क्षेत्रों में भी इस तरह पांडव नृत्य के दौरान कद्दू को काटने अर्थात बलि देने का चलन है, जिसे उत्तराखंड की विभिन्न लोक बोलियों में भिन्न-भिन्न नामों से संबोधित किया जाता है।

ग्रामीण रमेश सजवाण ने कहा कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब पांडव कौरवों से युद्ध जीत गए थे, तो उसके बाद वे उत्तराखंड पहुंचे। यहां उन्होंने अपने सभी अस्त्र-शस्त्र गढ़वाल के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सौंप दिए थे और स्वयं स्वर्ग की खोज में स्वर्गारोहण के लिए चले गए। तब से ही उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में पांडव लीला का आयोजन किया जाता है और इस दौरान उनके अस्त्र-शस्त्र की पूजा-अर्चना भी की जाती है।

ऐतिहासिक है गांव का इतिहास

बताते चलें कि यहां के ग्रामीण पहले नेलांग और जादूंग गांव में निवास करते थे और यहीं लोक पर्वों और अन्य अनुष्ठानों का आयोजन करते थे, लेकिन 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान नेलांग और जादूंग गांव के ग्रामीणों को विस्थापित कर बगोरी में बसा दिया गया। तब से जादूंग और नेलांग के ग्रामीणों का नया गांव बगोरी बन गया। बगोरी गांव 'ग्रीन विलेज' के नाम से भी मशहूर है।

12 विभागों की योजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण वर्चुअल माध्यम से करेंगे सीएम

हरिद्वार। ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज परिसर में 30 नवम्बर को होने वाले करोड़ों की योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी धीराज सिंह गब्याल ने बैठक की। मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि नैनीताल में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों की योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के साथ ही जनपद हरिद्वार के 12 विभागों की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण वर्चुअल माध्यम से मुख्यमंत्री करेंगे। डीएम ने बताया कि कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान किया जाएगा। इस दौरान बहुद्देशीय शिविर के साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम में सांसद और प्रभारी मंत्री शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रशिक्ष आईएएस दीपक सेठ, पीडी केएन तिवारी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मनीष दत्त, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, डीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी, मुख्य उद्यान अधिकारी ओम प्रकाश सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश शर्मा, जीएमडीआईसी पल्लवी गुप्ता, एआर कोआपरेटिव पीएस पोखरिया, डीईएसटीओ नलिनी ध्यानी, अपर सांख्यिकीय अधिकारी सुभाष शाक्य, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई मंजू, अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान मदन सेन आदि शामिल रहे।

संपादकीय

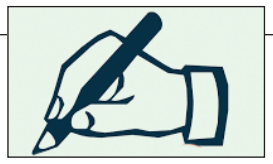

देश कहीं कर्ज में तो नहीं

बीते दिनों एक खबर आई थी कि भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर को छूने को है। यदि हम 4 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच जाते, तो देश में जश्न का माहौल होता, क्योंकि विश्व स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया जाता और भारत जर्मनी को पछाड़ कर चौथे स्थान पर आ सकता था, लेकिन चह खबर 'अद्धसत्य' थी। हम अब भी 4 ट्रिलियन डॉलर से दूर हैं। सत्तारूढ़ चेहरे अपने राजनीतिक प्रचार में 2047 के 'विकसित भारत' के सपने बेच रहे हैं, जबकि यथार्थ यह है कि भारत कर्ज में डूबा है। भारत पर 152 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है, जो मौजूदा वित्त-वर्ष के अंत तक करीब 170 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। देश में 21 राज्य ऐसे हैं, जो कर्ज लेकर अपने कर्मचारियों के वेतन-भत्ते, पेंशन आदि का भुगतान करते हैं और अन्य खर्चों को पूरा करते हैं। उनकी आमदनी का करीब 23 फीसदी हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में ही खर्च करना पड़ रहा है। बिजली, पानी, सडक़ सरीखे विकास-कार्य भी कर्ज के संसाधनों से चल रहे हैं। बेशक राज्यों की आमदनी, बीते पांच साल में, करीब 47 फीसदी बढ़ी है, लेकिन कर्ज के ब्याज का भुगतान और अन्य खर्च करीब 77 फीसदी बढ़ गए हैं। आमदनी अठन्नी और खर्च रुपया...! राज्यों का यह कर्ज 76.06 लाख करोड़ रुपए हो चुका है। आय और व्यय के ऐसे असंतुलन को 'राजस्व घाटा' कहते हैं और खर्चों के बढ़ते बोझ को 'वित्तीय घाटा' करार दिया जाता है। 2023 की पहली छमाही में 21 राज्यों का राजस्व घाटा 70,000 करोड़ रुपए और वित्तीय घाटा 3.5 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया। ये चेतावनी वाले आंकड़े हैं। फरवरी, 2024 की शुरुआत में ही केंद्र सरकार संसद में लेखानुदान पेश करेगी, तो कई आंकड़े चौंका देने वाले होंगे। मई के आम चुनाव के बाद जो सरकार बनेगी, वह नया बजट पेश करेगी। पूर्ण सत्य तब सामने आएगा, लेकिन यह सिलसिला जारी है कि देश और राज्यों के आय-व्यय के बीच गहरे फासले हैं। आम आदमी इन तथ्यों से बेखबर रहता है, लेकिन राजनीतिक दल चुनावों में 'मुफ्त की रसमलाई' बांट रहे हैं। भाजपा, कांग्रेस, 'आप' से लेकर अधिकतर क्षेत्रीय दल इस 'हम्माम में नंगे' हैं। कोई भी यह यथार्थ देश की जनता से साझा करने को तैयार नहीं है कि देश कर्ज के जाल में जकड़ा है। इस तरह हम 'विकसित अर्थव्यवस्था' नहीं बन सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी बिंदु पर अपना राजनीतिक प्रचार जारी रखा है। वह 2047 की स्थिति के लिए जवाबदेह भी नहीं होंगे, क्योंकि वह पांच और साल प्रधानमंत्री रह सकते हैं। बहरहाल राज्यों की आमदनी और खर्च में पांच, चार, दो गुना अंतर होता है, तो हम अपने आर्थिक भविष्य का आज से ही मूल्यांकन कर सकते हैं। देश की आर्थिक स्थिति का यह कथानक कपोल-कल्पित नहीं है, बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा रपट पर आधारित है। कर्जदार राज्यों की इस सूची में महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे सम्पन्न राज्य भी शामिल हैं। बड़े 18 राज्यों में से 7 का आय-व्यय का असंतुलन दोगुने से भी ज्यादा हो गया है। घाटे को समेटने के लिए लगातार बाजार से कर्ज लेना पड़ रहा है। असंतुलन की इस सूची में उप्र, मप्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, बिहार और पंजाब आदि राज्य हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

क्या आपको पता है OK का असली मतलब क्या होता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 नवंबर : लोग किसी भी बात पर सहमति जताने के लिए OK शब्द का इस्तेमाल करते हैं. दो अक्षर का यह शब्द बोलचाल में बहुत ही ज्यादा इस्तेमाल में लाया जाता है. बातचीत के दौरान इस शब्द का हम सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं. OK एक पूरे वाक्य की तरह काम करता है. आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि OK कोई शब्द नहीं है. OK एक शॉर्ट फॉर्म है. हम आज आपको OK का मतलब बताएंगे.

OK एक ग्रीक शब्द है, जिसका फुल फॉर्म है 'Olla Kalla'. इसका अंग्रेजी में मतलब होता है All correct. बता दें कि OK शब्द की उत्पत्ति 183 साल पहले हुई थी. अमेरिकी

पत्रकार चार्ल्स गोर्डोन ग्रीन (Charles Gordon Greene) के दफ्तर से इस शब्द के इस्तेमाल की शुरुआत हुई थी. बता दें कि साल 1839 में चार्ल्स गोर्डोन ग्रीन किसी शब्द की जगह प्लेफुल एब्रीविएशंस का इस्तेमाल करते थे.OK का इस्तेमाल सबसे पहले "Oll Korrect" के एब्रीविएशन के तौर पर किया गया था. दरअसल, यह ग्रामर पर एक व्यंगात्मक लेख था. साल 1839 में यह बोस्टन मॉर्निंग पोस्ट में छपा था. इसके बाद OW जैसे शब्द भी इस्तेमाल में आए. इसका मतलब रoll wrightर या all right होता था. साल 1840 में अमेरिकी राष्ट्रपति Martin Van Buren के री- इलेक्शन कैंपेन में ओके शब्द का इस्तेमाल किया गया. इसके बाद यह पूरी दुनिया में प्रचलित हो गया.दरअसल, Van Buren का निकनेम Old Kinderhook था. इसलिए उनके समर्थकों ने चुनाव प्रचार में OK शब्द का इस्तेमाल किया. इस दौरान पूरे देश में OK Clubs बनाए गए. अब ओके एक डबल मीनिंग वर्ड बन गया था. इसका मतलब Old Kinderhook भी था और All Correct भी.

लड़कियों का मिसयूज़ कर साइबर फ्रॉड क्रिमिनल्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 नवंबर , ऑनलाइन क्राइम के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं जब लोग इसका शिकार होकर लाखों रुपये गंवा देते हैं। कभी नौकरी का लालच देकर तो कभी सस्ता लोन देने का झांसा देकर ठग ठगी करने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। हैरानी की बात ये है कि इन जालसाजों के चक्कर में पढ़े लिखे और समझदार लोग भी पड़ जाते हैं। ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आया है। यहां 60 रुपये के चक्कर में एक शख्स को 16 लाख रुपये गंवाने पड़े। यह शख्स वर्क फ्रॉम होम यानी घर से काम के झांसे में फंस गया और ठगी का शिकार हो गया।

देश भर में साइबर क्राइम ठगी और ब्लेकमेलिंग की बाढ़ आ गयी है। लड़कियों की आवाज़ और उनकी शक्ल का खूब मिसयूज़ करते हुए अपराध को अंजाम दिया जा रहा है। दिल्ली , देहरादून , यूपी मुंबई कहीं का भी केस पढ़ लीजिये शिकार हमेशा लालच में किया जाता है। ये नया मामला वाराणसी में भेलूपुर थाना क्षेत्र के एक कॉलोनी का है। यहां के रहने वाले एक शख्स जिसका नाम अनिरुद्ध है ने पुलिस थाने में इसे

लेकर केस दर्ज कराया है। व्हाट्सएप के जरिए किए गए फ्रॉड में शख्स ने 16 लाख 66 हजार रुपये गंवा दिए। वहीं शिकायत दर्ज होने के बाद सारनाथ स्थित साइबर थाने की पुलिस जांच में जुट गई है और कार्रवाई करने की बात कह रही है।

अजब गजब होती है ठगी की तरकीब

शख्स ने साइबर क्राइम थाने की पुलिस को बताया है कि मोनिका नाम कि लड़की ने उसे व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर वर्क फ्रॉम होम का झांसा दिया था। उस लड़की ने खुद को वेब डीयू कंपनी का प्रतिनिधि बताया था। उसने इसे घर से कमाई का एक बढ़िया मौका बताया था। उस लड़की ने कहा था कि हर दिन 21 टास्क पूरे करने होंगे और हर एक टास्क के लिए 60 रुपये दिए जाएंगे। इसके बाद लड़की ने जो भी कहा वह करता गया। फिर उसने पीड़ित शख्स से धीरे-धीरे 16 लाख से ज्यादा रुपये अपने अकाउंट में मंगवा लिए। शख्स को शक हुआ तो वह तुरंत शिकायत लेकर थाने पहुंचा। लेकिन ऐसी घटनाएं आपके लिए किसी चेतावनी से कम नहीं है क्योंकि जगह बदल जाती है लेकिन क्रिमिनल्स का डिजिटल खेल हर शहर में जारी है।

ऋषिकेश में आयुर्वेदिक फ़ूड का मज़ा ले रहे टूरिस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 29 नवंबर , योग नगरी ऋषिकेश एक पावन तीर्थ स्थल है। हर वर्ष हजारों की संख्या में लोग यहां घूमने आते हैं, घूमने आए पर्यटकों को यहां का खान पान भी काफी पसंद आता है। वैसे तो ऋषिकेश में कई सारे रेस्टोरेंट और कैफे हैं, जहां टेस्टी रेसिपी परोसे जाते हैं। लेकिन जिस कैफे के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, वहां आपको आयुर्वेदिक स्टाइल में बना टेस्टी भोजन मौजूद हो जाएगा। अच्छा भोजन हमारे शरीर के लिए काफी लाभदायक होता है। ये तो हम सभी जानते हैं, लेकिन भोजन हमारे शरीर के साथ ही हमारे मानसिक स्वास्थ्य और साथ ही हमारी भावनाओं को भी असर करता है। ये हमे आयुर्वेद बताता है।

हर्ब्स से बनते हैं यहां के व्यंजन

ऋषिकेश के लक्ष्मण झूला पर स्थित बी मोंक वेलनेस गंगा के तट पर स्थित एक काफी सुंदर कैफे है। जहां आपको अच्छे भोजन के साथ ही गंगा का सुंदर का व्यू दिखने को मिलेगा और साथ ही मधुर संगीत, जो आपके मन को बिल्कुल शांत कर देगा। जिसमें वे आयुर्वेदिक भोजन वो भी सात्विक भोजन परोसते हैं। वे बताते हैं कि उन्होंने काफी रिसर्च की, जिसके बाद उन्हें ये ज्ञात हुआ कि आयुर्वेदिक भोजन ही हमें समग्र दृष्टिकोण की ओर ले जाता है। ये भोजन हमारे शरीर के साथ ही हमारे मानसिक स्वास्थ्य, अध्यात्म और हमारी भावनाओं को भी असर करता है। यहां परोसे जाने वाले सभी रेसिपी हर्ब्स के इस्तेमाल से बनाए जाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

रिधान बताते हैं कि वे षड ऋतु और षड रस पर विशेष ध्यान देते है। वर्ष में हर 2 महीने में ऋतु बदलता है, जिसके साथ ही इनके मेनु में भी आपको परिवर्तन देखने को मिल जाएगा। इनका मेनु आयुर्वेद को ध्यान में रखते हुए शट ऋतु और शट रस पर विशेष ध्यान देते हुए बनाया गया है, जिसमें सबसे पहले डेजर्ट परोसा जाता है। जो हमारे अपीटाइट को कम करती है। ताकि हम ओवरइटिंग से बच सकें। यहां सात्विक भोजन परोसा जाता है, इसलिए ये हमें अध्यात्म से जोड़ता है और हमारे शरीर के साथ ही हमारी भावनाओं और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

ग्राहकों को पसंद आ रहा है आयुर्वेदिक भोजन

बैंगलोर से ऋषिकेश घूमने आए अमर बताते हैं कि शांति की तलाश में ऋषिकेश घूमने आए थे, तब उन्हें ये कैफे दिखा। कैफे में आते ही यहां के वातावरण से उनका मन बिल्कुल शांत हो गया।

साथ ही साथ यहां का स्वाद भी उन्हें काफी पसंद आया। वहीं करन बताते हैं कि वब ट्रेक से सीधे ऋषिकेश आए हैं, और उन्हें इस कैफे के बारे में पता चला, जब उन्होंने यहां का स्वाद चखा तो उन्हें काफी पसंद आया। साथ ही इनका साउथ भारतीय फूड उन्हें सबसे अधिक पसंद आया।

मैक्स अस्पताल ने 100 से अधिक सफल रोबोटिक सर्जरी की पूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 29 नवंबर। उत्तर भारत के अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल देहरादून ने केवल ग्यारह महीनों में 100वीं रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। मंगलवार को होटल पैसिफिक में मैक्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल देहरादून के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. जीपी पैन्यूली ने बताया कि हम चाहते हैं कि अस्पताल में उपलब्ध सबसे अग्रणी शल्यचिकित्सा और चिकित्सा की सुविधा का अधिक से अधिक रोगी को लाभ हो। यह कुछ समय की ही बात है जब मानव शरीर पर अधिकांश प्रक्रियाएं रोबोटिक तकनीक का उपयोग कर की जाएंगी। द विंसी एक्स सर्जिकल प्रणाली ने हमें सर्वोत्तम सर्जिकल परिणाम प्रदान करने में मदद की है और हमारे अस्पताल में 100 से अधिक सफल सर्जरी का पूरा होना नवीनतम और सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। जिस दिन से हमने इस तकनीक को अपनाया विभिन्न

विशेषज्ञता वाले सर्जनों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नियमित कार्यशालाएं आयोजित की गईं और उन्हें रोबोटिक सर्जरी के लिए प्रशिक्षित किया।

वाईस प्रेसिडेंट ऑपरेशन और यूनिट हेड मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल डॉ. संदीप सिंह तंवर ने कहा 11 वर्षों से हमारे अस्पताल ने मरीजों को सर्वोत्तम संभव देखभाल देने के लिए उपचार में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और उच्चतम स्वास्थ्य सेवायें प्रदान की है। इस नई तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह सर्जरी के समय सटीकता को बढ़ाती है और हम अपने क्लिनिकल परिणामों को और बेहतर बनाने में सक्षम हुऐ । स्वास्थ्य क्षेत्र में हमारे उत्कृष्ट योगदान के लिए हमें ₹ट्रॉमा एंड क्रिटिकल केयर₹ के लिए उत्कृष्टता केंद्र के लिए भी मान्यता दी गई और सम्मानित भी किया गया। रोबोटिक्स लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के हमारे मिशन में एक और कदम है और हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह आने वाले दशक में हमरा अस्पताल अपने क्षेत्र के चिकित्सा बुनियादी ढांचे की रीढ़ बनेगा। डॉक्टर ज्योति रैना ने बताया कि यूरोलॉजी, गायनोकोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, जनरल सर्जरी और जीआई के लिए रोबोटिक सर्जरी का अधिकतम उपयोग देखा गया है। इसकी बेहतर नैदानिक परिशुद्धता को देखते हुए, सर्जरी में रोबोटिक्स का उपयोग रोगी के अस्पताल में रहने की अवधि को कम करने में सहायक रहा है, जिससे अधिकांश मामलों में रोगियों के स्वस्थ्य में तेजी से रिकवरी हुई है।

मैक्स हॉस्पिटल के चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते कदम

मैक्स अस्पताल देहरादून में चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम है जो दा विंसी एक्स रोबोट के साथ सर्जरी करने के लिए पांच अलग-अलग विशिष्टताओं के तहत प्रमाणित और प्रशिक्षित है। 170 से अधिक चिकित्सा विशेषज्ञों, अग्रणी डॉक्टरों और 300 से अधिक नर्सिंग स्टाफ के साथ, मैक्स देहरादून परिवार का प्रत्येक व्यक्ति उच्चतम मानक की चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। चिकित्सा क्षेत्र में लगातार मैक्स अस्पताल के कदम बढ़ रहे हैं।

आपकी उँगलियों में है बोलने की कला, जानिए ये राज़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 नवंबर : उंगलियां सिर्फ चलती ही नहीं बोलती भी हैं। जिन उंगलियों और हथेली की खूबसूरती के लिए आप लाख जतन करते हैं उन्हीं उँगलियों में छिपी है आपकी किस्मत ,

जिस प्रकार ज्योतिष शास्त्र में किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली को देखकर उसके व्यक्तित्व और भविष्य के बारे में बताया जाता है। ठीक उसी प्रकार सामुद्रिक शास्त्र में शरीर के अंगों की बनावट को देखकर व्यक्ति के भविष्य के बारे में आकलन किया जाता है। सामुद्रिक शास्त्र के द्वारा व्यक्ति के अंगों की बनावट, तिल और निशान आदि को देखकर उसे आने वाले जीवन, व्यापार और धन संबंधित मामलों के बारे में जाना जाता है। उंगलियों की बनावट किसी भी व्यक्ति के स्वभाव के बारे में बहुत कुछ बताती हैं। इसी कड़ी में आज हम बात करेंगे अनामिका उंगली यानी रिंग फिंगर की बनावट के बारे में। एक महिला आपको बता रही हैं कि आपकी नामिका उंगली की बनवाट आपके स्वभाव के बारे में क्या कहती है....

लंबी अनामिका उंगली

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जिन लोगों की अनामिका उंगली तर्जनी से लंबी होती है ऐसे लोगों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी होती हैं। इन लोगों के जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती है। ये लोग प्रशासनिक पोस्ट पर होते हैं। ऐसे लोग जॉब के साथ बिजनेस करने के भी शौकीन होते हैं और खूब शोहरत कमाते हैं।

छोटी अनामिका उंगली

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की अनामिका उंगली की लंबाई कम यानी छोटी होती है, ऐसे लोगों के जीवन में उम्र बढ़ने के साथ ही धन की बढ़ोत्तरी होती जाती है। ऐसे लोगों के पास शुरुआती उम्र में तो धन कम रहता है, लेकिन बाद में इनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो जाती है।

पतली अनामिका उंगली

जिन लोगों की अनामिका उंगली पतली होती है, ऐसे लोग जीवन खूब नाम और शोहरत पाते हैं। कहा जाता है कि इन लोगों को महंगी चीजें खरीदने का शौक होता है। हालांकि ऐसे लोग दानी भी होते हैं। इसके

अलावा ऐसे लोग अपनी लव लाइफ में बेहद वफादार होते हैं।

मोटी अनामिका उंगली

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की अनामिका उंगली की मोटाई अधिक होती है ऐसे लोगों को जीवन में काफी देर से धन की प्राप्ति होती है। इन लोगों को धन के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ता है। साथ ही ऐसे लोग धन को संचय भी नहीं कर पाते हैं।